इतनी सी अरज़ मेरी | By Kanchi Bhargava

इतनी सी अर्ज़ मेरी सुनलो मेरे मुरारी
तेरे चरणों में ही गुज़रे.....मेरे श्याम
तेरे चरणों में ही गुज़रे मेरी उम्र ये सारी
इतनी सी अर्ज़ मेरी सुनलो मेरे मुरारी

तुम साथ बाबा मेरे फिर कैसा मुझको डर है
हर हार का ठिकाना बाबा तुम्हारा दर है
यूँ ही साथ चलते रहना मेरे सांवरे बिहारी
तेरे चरणों में ही गुज़रे मेरी उम्र ये सारी
इतनी सी अर्ज़ मेरी सुनलो मेरे मुरारी

तेरी सेवा में रहूँगा, सुख चैन से जियूँगा
गर दूर जो किया तो फिर मैं ना जी सकूंगा
मेरी ज़िन्दगी के मालिक रहे किरपा बस तुम्हारी
तेरे चरणों में ही गुज़रे मेरी उम्र ये सारी
इतनी सी अर्ज़ मेरी सुनलो मेरे मुरारी

रूबी रिधम की इतना दिया खुशियों का खज़ाना
ना याद आता अब तो मतलब का वो ज़माना
तेरे भजनो बिन अधूरी है ज़िन्दगी हमारी
तेरे चरणों में ही गुज़रे मेरी उम्र ये सारी
इतनी सी अर्ज़ मेरी सुनलो मेरे मुरारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%87%e0%a4%a4%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a5%80-%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a4%9c%e0%a4%bc-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-kanchi-bhargava/